भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

वित्तीय सेवाएं विभाग

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 1725**

जिसका उत्तर 13 फरवरी, 2023/24 माघ, 1944 (शक) को दिया गया

**बैंक ऋण**

1725. श्री असादुद्दीन ओवैसीः

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या अतीत में उद्योग, 60 प्रतिशत से अधिक बैंक ऋणों के साथ बैंक ऋण के मुख्य प्राप्तकर्ता रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो क्या गृह ऋणों और व्यक्तिगत ऋण ने व्यावसायिक ऋणों को पीछे छोड़ दिया है;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या अन्य क्षेत्रों की तुलना में विनिर्माण व्यवसाय को दिए जाने वाले ऋणों में कम वृद्धि दर्ज की गई है; और

(ड.) यदि हां, तो उद्योगों और अन्य ऋण के क्षेत्रों जैसे कि व्यक्तिगत ऋण और गृह ऋणों के लिए बैंक ऋण की वर्तमान स्थिति और उनकी वृद्धि दर सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (डॉ. भागवत कराड)

**(क) से (ग):** भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति और प्रगति पर भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की रिपोर्ट 2021-22 के अनुसार, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) द्वारा उद्योग को वित्तीय वर्ष 2019-20, वित्तीय वर्ष 2020-21 और वित्तीय वर्ष 2021-22 में दिए गए ऋण की प्रतिशतता सकल बैंक ऋण का क्रमशः 32.2 प्रतिशत, 30.6 प्रतिशत और 29.6 प्रतिशत है। इसके अतिरिक्त, मार्च-22 तक की स्थिति के अनुसार, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा व्यवसाय (उद्योग और सेवाओं सहित) और खुदरा (आवास ऋण, ऑटो ऋण, शैक्षिक ऋण आदि) को दिए गए ऋण क्रमशः 66.57 लाख करोड़ रुपये और 33.94 लाख करोड़ रुपये हैं।

**(घ) और (ड.):** वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा उद्योग, सेवाओं और खुदरा ऋणों के रूप में दिए गए ऋण की वृद्धि क्रमशः 7.8 प्रतिशत, 14.7 प्रतिशत और 13.6 प्रतिशत है, जिसका ब्यौरा अनुबंध में दिया गया है।

***

**अनुबंध**

**बैंक ऋण के संबंध में दिनांक 13.02.2023 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 1725**

**एससीबी द्वारा क्षेत्र-वार दिए सकल बैंक ऋण**

(राशि करोड़ रुपए में)

| क्र. सं. | मद | के अंत में बकाया | | |
|---|---|---|---|---|
| | | **मार्च-20** | **मार्च-21** | **मार्च-22** |
| 1 | **कृषि एवं संबद्ध कार्यकलाप** | 12,39,575 | 13,84,815 | 15,16,303 |
| 2 | **उद्योग,** जिसमें | 32,52,801 | 32,53,636 | 35,08,744 |
| | सूक्ष्म एवं लघु उद्योग | 4,37,658 | 4,72,529 | 6,14,037 |
| | मध्यम उद्योग | 1,12,367 | 1,87,599 | 2,63,959 |
| | बड़े उद्योग | 26,11,377 | 24,76,702 | 24,88,228 |
| 3 | **सेवा** | 27,54,823 | 27,45,324 | 31,48,321 |
| 4 | **खुदरा ऋण,** जिसमें | 26,59,249 | 29,86,457 | 33,94,028 |
| | आवास ऋण | 13,96,444 | 15,61,913 | 17,54,298 |
| | घरेलू उपकरणों/सामानों | 11,154 | 21,569 | 37,349 |
| | वाहन ऋण | 2,89,366 | 3,29,522 | 3,79,139 |
| | शिक्षा ऋण | 79,056 | 78,823 | 84,677 |
| | अन्य खुदरा ऋण | 8,83,229 | 9,94,630 | 11,38,565 |
| 5 | **अन्य गैर-खाद्य ऋण** | 1,38,439 | 2,09,869 | 2,27,268 |
| 6 | गैर-खाद्य ऋण (1-5) | 1,00,44,887 | 1,05,80,100 | 1,17,94,665 |
| 7 | **सकल बैंक ऋण** | 1,00,98,420 | 1,06,40,808 | 1,18,53,392 |

*स्रोतः भारत में वर्ष 2021-22 में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति पर आरबीआई की रिपोर्ट, स्थलेत्तर विवरणी (घरेलू परिचालन)*

*****